an>

Title: Situation arising out of non-supply of coal to Thermal Power plants in Uttar Pradesh.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री जी का ध्यान उत्तर प्रदेश की विद्युत समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। इस सदन में हमें कई बार इस बारे में सुनने का मौका मिला है और सत्ता पक्ष के लोगों ने भी प्रदेश की बिजली समस्या को उठाया है। मैं सूचित करना चाहता हूं कि एक बार नहीं, कई बार हमारे मुख्य मंत्री जी ने मांग की है और भारत सरकार से कहा है, यहां पर योगी जी बैठे हुए हैं, कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में जहां घग्घर का पानी सबसे ज्यादा है, वहां परमाणु विद्युत योजना बनाई जाए। हम चाहते हैं कि आप इसमें सहयोग करें। उत्तर प्रदेश में तात्कालिक जो गम्भीर सवाल है, वह बिजली के बारे में यह है कि प्रदेश में 1140 मेगावाट का विद्युत प्लांट जो है, वह कोल पर आधारित है। उसके अंदर हमें प्रतिदिन पांच रेकों की आवश्यकता है, जबकि बड़ी मुश्किल से तीन रेक ही प्रतिदिन मिल रहे हैं। इस कारण उत्तर प्रदेश में विद्युत प्लांट और उससे जो बिजली जेनरेट होती है, उसमें प्रतिदिन 460 मेगावाट की कमी हो रही है। उसे लेकर मुख्य मंत्री जी ने भारत सरकार को पत्र लिखा है। हम मांग करेंगे कि कोयले की जो कमी है उत्तर प्रदेश के कोटे में, उसे पूरा किया जाए। बिजली की कमी के कारण उत्तर प्रदेश में तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं, अगर हमें पूरा कोयला मिले तो उत्तर प्रदेश सरकार उन सवालों का समाधान कर सकती है। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश का केन्द्र से आबंटित अंश है 6002 मेगावाट का, वह घटकर 4200 मेगावाट कर दिया गया था, अब उसे 4500 मेगावाट तक किया गया है। हमारी मांग है कि उत्तर प्रदेश का जो केन्द्रांश है बिजली के मामले में, वह पूरा दें, जिससे वहां बिजली की समस्या दूर हो सके। उत्तर प्रदेश से भाजपा के बहुत से सांसद जीतकर आए हैं और केन्द्र की सरकार भी उत्तर प्रदेश के भाजपा सांसदों के कारण बनी है। मेरी उनसे भी अपील है कि वे भारत सरकार पर इस बारे में दबाव डालें। अगर वहां के बिजली प्लांट्स में कोयले की कमी होती है, तो बिजली में भी कटौती होगी। उत्तर प्रदेश की जनता यह सब देख रही है और जनता आपको आगे सबक सीखाने का काम करेगी।